Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to stop production of firearms for civilian use in ordnances factories and to focus exclusively on production of international standard firearms for military use.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी): भारत के पूर्व रक्षा मंत्री श्री कृष्ण मेनन ने रक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित आयुध कारखानों में शस्त्र निर्माण कर नागरिकों को उपलब्ध कराने की नीति प्रारंभ की थी, जो आज 55 साल के बाद भी वैसे ही चल रही है। विचारणीय विषय है कि अरबों रुपये के बजट से संचालित ऑर्डिनेंस फैक्ट्रीज द्वारा अब राष्ट्र रक्षा के लिए हथियार बनाने का काम करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि अरबों रूपयों की लागत से फौज के लिए उन्नत किस्म की राईफल्स बनाने के कारखाने नागरिकों के लिए 12 बोर की एसबीबीएल गन बना रहे हैं। ताज्जुब होता है कि जिन सरकारी रक्षा मंत्रालय के कारखानों में अरबों रुपये के संसाधनों से 32 बोर के रिवाल्वर/315 बोर राईफल बनाई जा रही है, उनकी गुणवत्ता का स्तर भी दूसरे देशों के इसी प्रकार के हथियारों से अच्छा नहीं है। सरकार से अनुरोध करता हूँ कि रक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित आयुध कारखानों में नागरिक उपयोग के शास्त्रों का निर्माण रोक कर इन आयुध कारखानों का उपयोग केवल सेना की आवश्यकतानुसार फौज के लिए उन्नत किस्म के शस्त्र तथा उपकरणों के निर्माण के लिए किया जाये।